an>

Title: Issue regarding islamic banking in India.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद) : अध्यक्ष महोदया, आर.बी.आई ने वित्त मंत्रालय को एक प्रस्ताव दिया है कि भारत में इस्लामिक बैंकिंग की शुरूआत की जाये। ...(व्यवधान) आर.बी.आई. का यह प्रस्ताव बैंकों में इस्लामिक विंडो खोले जाने की दिशा में एक कदम है।...(व्यवधान) सरिया बैंकिंग इस्लाम के नियमों के तहत होता है और इस तरह की बैंकिंग के सबसे पहले इस्लामिक मान्यताओं के पहलुओं पर गौर किया जाता है।...(व्यवधान) भारत में इस्लामिक बैंकिंग का अनुभव नहीं है और भारत धार्मिक रूप से संवेदनशील देश है। ...(व्यवधान) भारत में धर्म के आधार पर किसी बैंकिंग सेवा को बांटा जाना समाज के लिए उचित नहीं है। ...(व्यवधान) केन्द्र सरकार यदि उन तबको को बैंकिंग के क्षेत्र में लाना चाहती है तो बिना धार्मिक आधार पर नियम बना कर शुरू कर सकती है, ...(व्यवधान) परन्तु बैंको में इस्लामिक विंडो खोले जाने का प्रस्ताव इस देश में बिल्कुल भी मान्य नहीं होगा।...(व्यवधान) क्योंकि धर्म के आधार पर किसी क्षेत्र में किसी एक विशेष वर्ग को प्राथमिकता देना सही नहीं है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री अरविंद सावंत,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री विनायक भाऊराव राऊत,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

श्री निशिकान्त दुबे जी को श्री चन्द्रकांत खैरे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।